Title: Need to formulate a Fuel Policy -Laid.

डा. सुशील कुमार इन्दौरा (सिरसा): ईंधन की सीढ़ी पर चढ़कर ही विकास की मंजिल पर पहुंचा जा सकता है। देश में ईंधन के स्रोत कोयला, पेट्रोलियम व बिजली हैं। कोयला 50 फीसदी से अधिक राख मिश्रित होने के बावजूद अन्तर्राट्रीय बाजार मूल्य से अधिक कीमत पर देश में बेचा जा रहा है क्योंकि कोयले की उत्पादन लागत ही अधिक है। पेट्रोलियम क्षेत्र में उत्पादों की कीमत निर्धारण के लिए प्रशासनिक मूल्य निर्धारण पद्धति का सहारा लिया जाता है, जिसमें उत्पादन लागत की भूमिका का स्थान नहीं होता। इसी कारण उत्पादन लागत कम करने की ओर न ध्यान जाता है और न जरूरत समझी जाती है। बिजली के क्षेत्र में उत्पादन क्षमता से कहीं कम उत्पादन हो रहा है और जो हो रहा है उसमें से 50 प्रतिशत तक हानि हो रही है, फलस्वरूप बोर्डो को घाटा है।

देश की क्षमताओं पर आधारित एवं आवश्यकताओं के अनुकूल एक सुनिश्चित ठोस सोच की ईंधन नीति न होने का ही यह परिणाम है। अतः मेरा आग्रह है कि अ वलिम्ब एक ईंधन नीति बनायी जाए, जिससे देश में ईंधन किफायती कीमत पर आवश्यकतानुसार सहज मिल सके।

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 11 a.m. tomorrow.

2044 hours

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on

Friday, August 3, 2001/Sravana 12, 1923 (Saka).